बौद्ध विवि रैकी में कराएगा सर्टिफिकेट कोर्स

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी के समीप सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में जनवरी से कई पाठ्यक्रमों की कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। जल्द ही यहां रेकी में भी सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होगा जो विश्व में और कहीं नहीं है। जनवरी माह से विवि में शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्सेस संचालित किए जाएंगे। विवि प्रशासन कोर्स में एडमिशन के लिए मंगलवार से ऑनलाइन फार्म वेबसाइट उपलब्ध करा रहा है। विवि अकादमिक सत्र की शुरुआत 4 सर्टिफिकेट कोर्स से कर रहा है। इन सभी कोर्सेस की अवधि दो महीने की होगी। प्रत्येक कोर्स का बैच कम से कम 15 और अधिकतम 20 विद्यार्थियों का होगा।

बौद्ध विवि की कुलपति प्रो. शशि प्रभा कुमार ने बताया कि अभी विवि में अध्ययन तथा अध्यापन के लिए विश्व के 80 से अधिक देशों ने रुचि दिखाई है। इसमें प्रमुख रूप से अमरीकाए जापानए नेपाल, तिब्बत के अलावा श्रीलंका तथा चीन शामिल है। विवि में गुरुकुल और मार्डर्निटी की अध्ययन शैली का समावेश करेगा। प्राचीन काल में गुरुकुल में रहकर शिष्य अध्ययन करते थेए भोजन साथ करते थे और अध्यास साथ करते थे।

विदेशी विद्यार्थियों ने प्रवेश के लिए किया सम्पर्क

ठीक इसी प्रकार विवि में कोर्स से संबंधित अभ्यास भी होगा। विवि में योग एवं दर्शन में विशेषज्ञता होगी। इसके लिए अभी अमेरीका से कई विशेषज्ञों ने संपर्क किया है। निकट भविष्य में यह विवि दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण विवि कहलाएगा। प्रो. शिशि प्रभा कुमार के अनुसार बौद्ध दर्शन और शैव दर्शन का कश्मीर केंद्र रहा है। इस लिए कश्मीर दर्शन बहुत बड़ा दर्शन है। इसमें धर्म, दर्शन और तंत्र है। ऐसे कोर्सों के अलावा अन्य कोर्स जैसे योग के लिए भी गंभीर विद्यार्थियों की खोज होगी। इसके लिए प्रवेश देने से पूर्व उनमें इन प्रवृत्तियों को भी देखा जाएगा। उन्होंने बताया कि वैसे बौद्ध दर्शन से संबंधित कोर्स अन्य विवि में भी संचालित हैए लेकिन इस विवि में यह कोर्स रिसर्च ओरिएंटेड होंगे, जो विश्व में कहीं नहीं हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही यहां रेकी पर सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू होगा। यह कोर्स अभी विश्व में कहीं और नहीं है।

यह होंगे पाठ्यक्रम

- **बुद्धिज्म:** यह कोर्स दो माह का होगा। इसे सारनाथ बनारस के सीयूटीएस के पूर्व कुलपति प्रो. एनजी सेमतन अध्ययन कराएंगे। यह कोर्स 5 जनवरी 2015 से शुरू होगा।
- **इंडियन फिलॉसफी:** यह कोर्स भी दो महीने का है। इसे दिल्ली विवि के फिलॉसफी विभाग के पूर्व हेड प्रो. एसआर भट्ट अध्ययन कराएंगे। यह कोर्स 12 जनवरी 2015 से शुरू होगा।
- **संस्कृत भाषा ज्ञान:** यह कोर्स भी दो माह का है। इसे स्वयं सांची **बौद्ध** विवि मप्र की कुलपति प्रोण् शशि प्रभा कुमार अध्ययन कराएंगी। यह कोर्स 12 फरवरी 2015 से शुरू होगा।
- **कश्मीर शैव दर्शन:** यह कोर्स भी दो माह का है। इसे सामतेदालय, बनारस के निदेशक प्रो. बेटिना ब्यूमर विद्यार्थियों को अध्ययन कराएंगे। यह कोर्स 15 मार्च 2015 से शुरू होगा।

दैनिक भास्कर

भोपाल

भोपाल . बुधवार 26 नवंबर, 2014

२

सांची यूनिवर्सिटी

हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र की पढ़ाई की सुविधा

नसं. भोपाल| सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिस्ट-इंडिक स्टडीज छठवीं से लेकर सोलहवीं शताब्दी तक भारत और इसके पड़ोसी देशों में प्रचलित हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र को पढ़ाई कराएगा। विवि द्वारा हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र नाम से तीन महीने का नया सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया जा रहा है। यह कोर्स बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा की देखरेख में तैयार किया जा रहा है। इस कोर्स का सिलेबस प्राचीन हिंदू और बौद्ध साहित्य के आधार पर डिजाइन किया जाएगा।

विवि की कुलपति प्रो. शशिप्रभा कुमार के अनुसार यह अपने किस्म का पहला कोर्स होगा। उन्होंने बताया कि दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी देशों जैसे भारत, पाकिस्तान, तिब्बत, नेपाल, चीन, जापान, भूटान, कोरिया, मंगोलिया, कंबोडिया, म्यांमार और इंडोनेशिया में यह तंत्र विद्या छठवीं से लेकर सोलहवीं शताब्दी तक प्रचलित थी और वर्तमान में भी प्रचलन में है।

Lake सिटी

दैनिक जागरण
भोपाल 26 नवंबर, 2014

11

सांची बौद्ध विवि शुरू करेगा चार ऑफर्स सर्टिफिकेट कोर्सेज

गुरू-शिष्य परंपरा पर आधारित होगी पढ़ाई

● लेक सिटी रिपोर्टर ●

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय चार नए ऑफर्स सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने जा रहा है। जनवरी से प्रारंभ होने वाले इस कोर्सेज में एडमीशन लेने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया 25 नवंबर से प्रारंभ हो गई है। इन कोर्सेज को करने के लिए कम से कम 12वीं पास होना जरूरी है। यह जानकारी मंगलवार को होटल लेक व्यू अशोक में आयोजित प्रेसवार्ता में विवि की वॉइस चांसलर डॉ. शशि प्रभा कुमार व कुलसचिव राजेश गुप्ता (आईपीएस) ने दी।

दो-दो माह के रहेंगे कोर्स

उन्होंने बताया कि ऑफर्स सर्टिफिकेट कोर्सेज में बुद्धिज्म, इंडियन फिलॉसफी, लर्निंग संस्कृत लैंग्वेज व कश्मीर सेविज्म सब्जेक्ट रखे गए हैं, जिन्हें विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाया जाएगा। यह सभी कोर्सेज दो-दो माह के रहेंगे। प्रत्येक की फीस 3 हजार रुपए निर्धारित की गई है। इन कोर्सेज में मिनीमम स्टूडेंट्स की संख्या 15 रहेगी और मैग्जीमम 20। किसी भी कोर्सेज में 15 से कम स्टूडेंट्स रहने पर कोर्स रन नहीं किया जाएगा।

सीरियस स्टूडेंट्स को मिलेगा मौका

गुरू-शिष्य परंपरा पर आधारित यह कोर्सेज इंग्लिश व संस्कृत में पढ़ाए जाएंगे। इसमें लैक्चर, टेक्स्ट स्टडी, मेडिटेशन एंड प्रैक्टिस, डिस्कशन, ह्यूडियो, असेसमेंट आदि होंगे। विवि की वीसी डॉ. शशि प्रभा कुमार ने बताया कि जो स्टूडेंटस इन कोर्सेज को करने के लिए सीरियस होंगे, उन्हें ही एडमीशन दिया जाएगा, जो इन चीजों को गहराई से समझ सके। इसके लिए वे पर्सनल लेवल पर और अन्य विवि से संपर्क करेंगी।

रेकी के लिए दिया जाएगा सर्टिफिकेट

कुलसचिव श्री गुप्ता ने बताया कि आगामी समय में विवि की ओर से रेकी पर भी शॉर्ट टर्म कोर्स चालू किया जाएगा, जिसके लिए विवि की ओर से सर्टिफिकेट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूरी दुनिया में रेकी की प्रैक्टिस होती है, लेकिन कोई भी विवि इसका सर्टिफिकेट कोर्स नहीं कराता। सांची बौद्ध विवि एक अनूठा ऐसा विवि होगा, जो इस कोर्स का सर्टिफिकेट प्रदान करेगा।

सांची यूनिवर्सिटी में सोलहवीं शताब्दी की हिन्दू, बुद्धिस्ट तंत्र की पढ़ाई

बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा की देखरेख में तैयार हो रहा तीन माह का कोर्स

भोपाल (नप्र)। सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिस्ट-इंडिक स्टडीज छठी से लेकर सोहलवीं शताब्दी तक भारत और इसके पड़ोसी देशों में प्रचलित हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र की पढ़ाई कराएगा। विवि द्वारा हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र नाम से तीन महीने का नया कोर्स शुरू किया जा रहा है। यह कोर्स खासतौर से बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा की देखरेख में तैयार किया जा रहा है। यह बात मंगलवार की एक निजी होटल में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में विवि की कुलपति प्रो. शशि प्रभा कुमार और प्रशासनिक अधिकारी राजेश गुप्ता ने कही।

चीनी, जापानी भाषा की भी पढ़ाई होगी

प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि इन कोर्सेस के बाद विवि बौद्ध देशों की भाषाओं में डिप्लोमा कोर्स शुरू करेगा। शुरूआत पाली, प्राकृत और संस्कृत से की जाएगी। इसके बाद चीनी, जापानी, सिंहली भाषा में डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा। लेकिन भाषाओं के कोर्स फैकल्टी के रिक्रूटमेंट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही शुरू किए जाएंगे। जनवरी से विवि की ऐकेडेमिक क्लास सांची में और प्रशासनिक कार्यालय भदभदा रोड स्थित गुड गवर्नेंस के भवन में लगेगा।

इस कोर्स में तंत्र की उत्पत्ति के साथ ही इसकी शक्तियों और दुनिया भर में इस विद्या को लेकर फैली गलतफहमियों के बारे में बताया जाएगा। विवि द्वारा इस कोर्स का सिलेबस प्राचीन हिंदू और बौद्ध साहित्य के आधार पर डिजाइन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी देशों जैसे भारत, पाकिस्तान, तिब्बत, नेपाल, चीन, जापान, भूटान, कोरिया, मंगोलिया, कंबोडिया, म्यांमार और इंडोनेशिया में यह तंत्र विद्या छठवीं से लेकर सोहलवीं शताब्दी तक प्रचलित थी और वर्तमान भी प्रचलन में है। इस विद्या का वेदों में खास स्थान है और इसे लेकर कई तरह की भ्रांतियां समाज में फैली हैं। इन्हीं के प्रति समाज को जागरूक करने का काम यह कोर्स करेगा।

कौटिल्य के अर्थशास्त्र पर भी होगा कोर्स

इसके साथ ही विवि रेकी, विपश्यना व उपनिषदों पर भी कोर्स शुरू करने की तैयारी कर रहा है। एक अन्य महत्वपूर्ण कोर्स कौटिल्य के अर्थशास्त्र भर भी शुरू किया जा रहा है। यह कोर्स खासतौर से कॉर्पोरेट सेक्टर को ध्यान में रखते हुए ही शुरू किया जा रहा है। कुलपति ने बताया कि विवि सर्टिफिकेट कोर्स के बाद अब सीधे पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी कोर्स शुरू करेगा। स्नातक कोर्स फिलहाल शुरू नहीं किए जाएंगे। विवि अभी जो कोर्स शुरू कर रहा है इन्हीं पर रिसर्च भी कराएगा। उन्होंने इसमें दो से तीन साल लगने की बात कही है। विवि ने सत्र की शुरुआत बुद्धिज्म, लर्निंग संस्कृत लैंग्वेज, इंडियन फिलॉसफी और कश्मीर शैविज्म कोर्स से की है।

the pioneer
BHOPAL | WEDNESDAY | NOVEMBER 26, 2014

nchi varsity to launch four certificate courses

REPORTER ■ BHOPAL

hi University for Buddhist-Indic dies is going to launch four certificate es shortly with the objective of pro- basic introduction to candidates ted in certain philosophical doctrines. hile talking to media persons here on ay, University's VC Shashi Prabha r said, "the first course 'Buddhism' will on January 5, 2015. Sarnath-based al University of Tibetan Studies' ex-Chancellor (VC) NG Samtem will ct the course."

rofessor SR Bhatt, a former head of rsity of Delhi's Department of ophy, would lead the second course ndian Philosophy, which will be start- January 12, 2015.

of Kumar will herself conduct the 'Learning Sanskrit Language' that

Prof Shashi Prabha Kumar, V.C. Sanchi University of Buddhist-Indic Studies (L) addressing a press conference in Bhopal on Tuesday Pioneer photo

gets underway on February 12, 2015, while the course 'Kashmir Saivism' commencing on March 15, 2015, will be led by Varanasi-based Samvidalaya Director Bettina Baeumer on March 15, 2015.

All the courses will be of two-month duration. Admission forms are available online from today onwards. However, the minimum eligibility is XIIth Pass or equivalent. There would be a minimum of 15 students and a maximum of 20 students per batch.

"The courses have been designed by blending traditional and modern methods of teaching. There would be lectures and presentations in morning sessions while there would be meditation practices towards evening. A guru-shishya tradition would be followed with the teacher and students residing together," said Prof Kumar.

To a query, she said the University will launch full-fledged courses in the next 2-3 years. However, it was decided to begin certificate courses for the benefit of such students who have not been able to undertake full-fledged courses.

नया ज़माना नया अखबार

वर्ष-6 अंक-273 ■ पृष्ठ-16 ■ मूल्य ₹ 3 ■ विक्रम 2071, हिजरी 1436, अगहन शुक्ल

पीपुल्स समाचार

twitter.com/PSamachar facebook.com/PEOPLESSA

भोपाल
बुधवार 26 नवंबर 2014

सांची बौद्ध एवं भारतीय अध्ययन विवि में देश के साथ ही विदेशों से आने वाले गुरुजन भी होंगे

विदेशी गुरु देंगे भारतीय दर्शन और धर्म की शिक्षा

पीपुल्स विशेष

नितिन साहनी ◆ भोपाल
मो.नं. 7879831214

भारतीय संस्कृति, धर्म और ज्ञान की परंपरा का बेहद समृद्ध इतिहास रहा है। एक युग वह भी था जब दुनियाभर में भारत की ज्ञान पताका फहराती थी। भारतीय धर्म, दर्शन और आध्यात्म के साथ विभिन्न विषयों की तालीम के लिए भारतीय विद्वानों के दरवाजे न केवल विश्वभर से विद्यार्थियों की भीड़ जुटती थी, बल्कि वे भी दुनियाभर में जाकर लोगों की ज्ञान क्षुधा शांत किया करते थे। अब एक बार फिर ये कहानी दोहराई जाएगी, लेकिन कुछ अलग अंदाज में ।इस परंपरा में बदलाव सिर्फ इतना होगा कि इस बार भारतीय धर्म, ज्ञान और दर्शन तो जस का तस रहेगा, बस विदेशी मूल के शिक्षक भारत आकर इस परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।

भोपाल के नजदीक सांची में स्थापित होने जा रहे सांची बौद्ध एवं भारतीय अध्ययन विवि में देश के साथ ही विदेशों से आने वाले गुरुजन विद्यार्थियों को भारतीय दर्शन, ज्ञान और धर्म की दीक्षा देंगे। विवि को अब तक दो दर्जन से ज्यादा विदेशी शिक्षकों ने पढ़ाने के प्रस्ताव भेजे हैं,लेकिन विवि फिलहाल सीमित पाठ्यक्रम ही शुरू करने की स्थिति में है , ऐसे में फिलहाल तीन विदेशी शिक्षकों को ही पढ़ाने की मंजूरी विवि ने दी ही। विवि प्रशासन के अनुसार आने वाले समय में खुद का परिसर तैयार होते ही विदेशी प्रोफेसरों की संख्या इससे कई गुना ज्यादा हो जाएगी।

ये विदेशी शिक्षक आएंगे मध्यप्रदेश

नाम	देश	विषय
प्रो. बेटीना बॉमर	ऑस्ट्रिया	इंडियन फिलोसॉफी, इंडोलॉजी (संस्कृत), थियोलॉजी, संगीत अदि
डेविड फ्रोले	अमेरिका	संस्कृत, आयुर्वेद,योग, एस्ट्रोलॉजी
पुरुषोत्तम बिलिमोरिया	ऑस्ट्रेलिया	भारतीय दर्शन, भारतीय मान्यताएं धार्मिक दर्शन आदि

बौद्ध विवि के चांसलर प्रो. सामदोंग रिपोछे हैं। मूल रूप से तिब्बत के निवासी रिपोछे दलाई लामा के बाद बौद्ध समुदाय के दूसरे बड़े धर्मगुरू माने जाते हैं। रिपोछे भी समय-सयम पर सांची विवि के विद्यार्थियों की कक्षाएं लेने की बात कह चुके हैं।

भारतीय धर्म और दर्शन को दुनिया ने अपनाया है। विदेशी विद्वान अब भारतीय ज्ञान की शिक्षा देने के लिए सांची विवि के साथ जुड़ जा रहे हैं। ये विदेशी प्रोफेसर भारतीय ज्ञान की परंपरा को आगे बढ़ाएंगे।

■ डॉ. शशिप्रभा सिंह, कुलपति , सांची बौद्ध वि

CityLine

The Hitavada
BHOPAL ■ Wednesday ■ November 26 ■ 2014

18

BRIEFS

Buddhist University to start 4 new diploma courses

■ Staff Reporter

FOUR new diploma courses are being started by Sanchi University of Buddhist Indic Studies, Sanchi. Courses include Buddhist which will start from January 5, 2015, Indian Filopsy-January 12, Learning Sanskrit which will start on February 12. The information about the same was provided by Vice Chancellor of the University, Shashi Prabha. There will be no age-limit for 2 month diploma courses and the participants can apply online on University website for the courses from November 25. 15-20 will be admitted in each course and 12 pass students can also aplly for the course.

www.starsamachar.com
भोपाल बुधवार, 26 नवंबर, 2014 स्टार समाचार

हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र का पाठ पढ़ाएगा सांची बौद्ध विवि

- विश्वविद्यालय तीन महीने का नया कोर्स करने जा रहा शुरू।
- विवि द्वारा इस कोर्स का सिलेबस प्राचीन हिंदू और बौद्ध साहित्य के आधार पर डिजाइन किया जाएगा।
- इस विद्या का वेदों में खास स्थान है और इसे लेकर कई तरह की भ्रांतियां समाज में अभी भी फैली हैं।
- शुरुआत होगी प्रकृति और संस्कृत से फिर तीनी, जापानी, सिंहली भाषा में शुरू किया जाएगा डिप्लोमा कोर्स।
- एक अन्य महत्वपूर्ण कोर्स कौटिल्य के अर्थशास्त्र भर भी शुरू किया जा रहा है।

सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिस्ट-इंडिक स्टडीज छठवीं से लेकर सोहलवीं शताब्दी तक भारत और इसके पड़ोसी देशों में प्रचलित हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र की पढ़ाई कराएगा। विवि द्वारा हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र नाम से तीन महीने का नया कोर्स शुरू किया जा रहा है।

स्टार समाचार | भोपाल

यह कोर्स खासतौर से बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा की देखरेख में तैयार किया जा रहा है। इस कोर्स में तंत्र की उत्पत्ति के साथ ही इसकी शक्तियों और दुनिया भर में इस विद्या को लेकर फैली गलतफहमियों के बारे में बताया जाएगा। विवि द्वारा इस कोर्स का सिलेबस प्राचीन हिंदू और बौद्ध साहित्य के आधार पर डिजाइन किया जाएगा। विवि की कुलपति प्रो. शशि प्रभा कुमार और प्रशासनिक अधिकारी राजेश गुप्ता के अनुसार यह कोर्स अपने किस्म का पहला कोर्स होगा। इन्होंने बताया कि दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी देशों जैसे भारत, पाकिस्तान, तिब्बत, नेपाल, चीन, जापान, भूटान, कोरिया, मंगोलिया, कंबोडिया, म्यांमार और इंडोनेशिया में यह तंत्र विद्या छठवीं से लेकर सोहलवीं शताब्दी तक प्रचलित थी और वर्तमान भी प्रचलन में है। इस विद्या का वेदों में खास स्थान है और इसे लेकर कई तरह की भ्रांतियां समाज में फैली हैं। इन्हीं के प्रति समाज को जागरुक करने का काम कोर्स करेगा।

चीनी और जापानी भाषा की भी विश्वविद्यालय में होगी पढ़ाई

प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि इन कोर्सेस के बाद विवि बौद्ध देशों की भाषाओं में डिप्लोमा कोर्स शुरू करेगा। शुरुआत पाली, प्राकृत और संस्कृत से की जाएगी। इसके बाद चीनी, जापानी, सिंहली भाषा में डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा। लेकिन भाषाओं के कोर्स फैकल्टी के रिक्रुटमेंट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही शुरू किए जाएंगे। जनवरी से विवि की ऐकेडेमिक क्लास सांची में और प्रशासनिक कार्यालय भदभदा रोड स्थित गुड गवर्नेंस के भवन में लगेगा।

विपश्यना और उनिषदों पर भी शुरू होगा कोर्स

इसके साथ ही विवि रेकी, विपश्यना व उनिषदों पर भी कोर्स शुरू करने की तैयारी कर रहा है। एक अन्य महत्वपूर्ण कोर्स कौटिल्य के अर्थशास्त्र भर भी शुरू किया जा रहा है। यह कोर्स खासतौर से कारपोरेट सेक्टर को ध्यान में रखते हुए ही शुरू किया जा रहा है। कुलपति ने बताया कि विवि सर्टिफिकेट कोर्स के बाद अब सीधे पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी कोर्स शुरू करेगा। स्नातक कोर्स फिलहाल शुरू नहीं किए जाएंगे। विवि अभी जो कोर्स शुरू कर रहा है इन्हीं पर रिसर्च भी कराएगा। उन्होंने इसमें दो से तीन साल लगने की बात कही है। विवि ने सत्र की शुरुआत बुद्धिज्म, लर्निंग संस्कृत लैंग्वेज, इंडियन फिलॉसफी और कश्मीर शैविज्म कोर्स से की है।

3 देशबन्धु
राजधानी
भोपाल, बुधवार 26 नवम्बर 2014

16

सांची बौद्ध विवि में प्रमाण पत्र पाठयक्रम 5 जनवरी से

भोपाल, देशबन्धु। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय सांची के पास स्थित ग्राम-बारला,(रायसेन) में 5 जनवरी से मार्च की अवधि में चार विषयों में सर्टिफिकेट प्रारंभ करने जा रहा है।

विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. शशिप्रभा ने मंगलवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, कि विश्वविद्यालय का नियमित पाठ्यक्रम 2015 से प्रारंभ होगा। इस नियमित पाठ्यक्रम के पूर्व विश्वविद्यालय 4 प्रकार के सर्टिफिकेट कोर्स अलग-अलग विषयों को लेकर प्रारंभ करेगा। इनमें संस्कृत भाषा के सीखने के लिए दो माह का कोर्स , जो 12 फरवरी से शुरू होगा। इसके अलावा दो माह का बुद्धिज़्म सर्टिफिकेट कोर्स 5 जनवरी से , भारतीय दर्शन पर दो माह का कोर्स 12 जनवरी से तथा कश्मीर साईविज़्म का सर्टिफिकेट कोर्स 15 मार्च से प्रारंभ होने जा रहा है। इन सभी कोर्स के लिए दाखिले की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी ही इसमें आवेदन दे सकेंगे। प्रत्येक कोर्स के लिए विद्यार्थियों को 3 हजार रुपये शुल्क के रूप में अदा करना होगा । डॉ. शशिप्रभा ने बताया, कि अभी विश्वविदद्यालय शैशव काल में हैं । विश्वविद्यालय के पास अपना कोइं भवन नहीं है। सर्टिफिकेट कोर्स भी किराये के भवन से शुरू किया जा रहा है। फिर भी भूटान, श्रीलंका, जापान, कोरिया, ताइवान और थाईलैण्ड जैसे देशों ने इस विश्वविद्यालय में अपना पीठ स्थापित करने की मंशा जाहिर की हैं।

भोजपाल

स्वदेश
भोपाल, 26 नवंबर 2014

पाठ्यक्रम | तीन माह के नए पाठ्यक्रम की होगी शुरूआत

हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र की पढ़ाई कराएगा सांची बौद्ध विवि

« स्वदेश संवाददाता। भोपाल

सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिस्ट-इंडिक स्टडीज छठवीं से लेकर सोहलवीं शताब्दी तक भारत और इसके पड़ोसी देशों में प्रचलित हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र की पढ़ाई कराएगा। विवि द्वारा हिंदू और बुद्धिस्ट तंत्र नाम से तीन महीने का नया कोर्स शुरू किया जा रहा है। यह कोर्स खासतौर से बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा की देखरेख में तैयार किया जा रहा है। इस कोर्स में तंत्र की उत्पत्ति के साथ ही इसकी शक्तियों और दुनिया भर में इस विद्या को लेकर फैली गलतफहमियों के बारे में बताया जाएगा। विवि द्वारा इस कोर्स का सिलेबस प्राचीन हिंदू और बौद्ध साहित्य के आधार पर डिजाइन किया जाएगा। विवि की कुलपति प्रो. शशि प्रभा कुमार और प्रशासनिक अधिकारी राजेश गुप्ता के अनुसार यह कोर्स अपने किस्म का पहला कोर्स होगा। उन्होंने बताया कि दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी देशों जैसे भारत, पाकिस्तान, तिब्बत, नेपाल, चीन, जापान, भूटान, कोरिया, मंगोलिया, कंबोडिया, म्यांमार और इंडोनेशिया में यह तंत्र विद्या छठवीं से लेकर सोहलवीं शताब्दी तक प्रचलित थी और वर्तमान भी प्रचलन में है। इस विद्या का वेदों में खास स्थान है और इसे लेकर कई तरह की भ्रांतियां समाज में फैली हैं। इन्हीं के प्रति समाज को जागरूक करने का काम यह कोर्स करेगा।

उपनिषद भी पाठ्यक्रम में:- इसके साथ ही विवि रेकी, विपश्यना व उननिषदों पर भी कोर्स शुरू करने की तैयारी कर रहा है। एक अन्य महत्वपूर्ण कोर्स कौटिल्य के अर्थशास्त्र भर भी शुरू किया जा रहा है। यह कोर्स खासतौर से कारपोरेट सेक्टर को ध्यान में रखते हुए ही शुरू किया जा रहा है। कुलपति ने बताया कि विवि सर्टिफिकेट कोर्स के बाद अब सीधे पोस्ट ग्रेजुएट और पीएचडी कोर्स शुरू करेगा। स्नातक कोर्स फिलहाल शुरू नहीं किए जाएंगे। विवि अभी जो कोर्स शुरू कर रहा है इन्हीं पर रिसर्च भी कराएगा। इसमें दो से तीन साल लगने की बात कही है। विवि ने सत्र की शुरूआत बुद्धिज्म, लर्निंग संस्कृत लैंग्वेज, इंडियन फिलॉसफी और कश्मीर शैविज्म कोर्स से की है।

चीनी, जापानी भाषा की भी पढ़ाई

प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि इन कोर्सेस के बाद विवि बौद्ध देशों की भाषाओं में डिप्लोमा कोर्स शुरू करेगा। शुरूआत पाली, प्राकृत और संस्कृत से की जाएगी। इसके बाद चीनी, जापानी, सिंहली भाषा में डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा। लेकिन भाषाओं के कोर्स फेकल्टी के रिक्रूटमेंट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही शुरू किए जाएंगे। जनवरी से विवि की ऐकेडेमिक क्लास सांची में और प्रशासनिक कार्यालय भदभदा रोड स्थित गुड गवर्नेंस के भवन में लगेगा।

नव भारत

राजधानी

12 भोपाल, बुधवार, 26 नवंबर, 201

14

सांची बौद्ध विश्वविद्यालय में सर्टिफिकेट कोर्स पांच जनवरी से

भोपाल, 25 नवंबर,नभासं. मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में सांची के पास बारला गांव में स्थित सांची.बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में दर्शन से जुड़े चार विषयों पर केंद्रित सर्टिफिकेट कोर्स आगामी पांच जनवरी से प्रारंभ होंगे.

विश्वविद्यालय की कुलपति शशिप्रभा कुमार ने पत्रकारों को बताया कि इन पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करने का मुख्य उद्देश्य इन विषयों से जुड़े विद्यार्थियों को प्रारंभिक ज्ञान मुहैया कराना है. उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में पूर्णकालिक पाठ्यक्रम दो-तीन वर्षों में ही प्रारंभ हो पाएंगे.

पहले आओ पाओ दाखिला

सु ा कुमार ने बताया कि इन कोर्स में प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा. प्रत्येक पाठ्यक्रम में 15 से 20 छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया जाएगा और ऐसे अभ्यर्थियों को बारहवीं कक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है.

ये होंगे सर्टिफिकेट कोर्स

- बौद्ध दर्शन पर केंद्रित पहला सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम पांच जनवरी से प्रारंभ होगा, यह कोर्स सारनाथ स्थित केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एन जी संतेम की देखरेख में संचालित किया जाएगा.
- भारतीय दर्शन पर केंद्रित दूसरा सर्टिफिकेट कोर्स बारह जनवरी से प्रारंभ होगा. यह पाठ्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर एस आर भट्ट के मार्गदर्शन में संचालित किया जाएगा.
- लर्निंग संस्कृत लेंग्वेज नाम से तीसरा सर्टिफिकेट कोर्स 12 पंरवरी को प्रारंभ किया जाएगा. इस कोर्स से जुड़े कामों को वह स्वयं देखेंगी. –कश्मीर शैविज्म नाम से चौथा कोर्स 15 मार्च से शुरू किया जाएगा. यह चारों पाठ्यक्रम दो-दो माह की अवधि के होंगे.